



गर्मी की दोपहर में कमसिन कामवाली को चोदा

“न्यूड गर्ल सेक्स स्टोरी में मेरे घर में
18 साल की जवान भरे बदन की लड़की
काम करती थी. एक दिन बहुत गरमी थी
तो उसने मुझसे नहाने के लिए पूछा.
मैंने हाँ कर दी. ...”

Story By: सुरेश ठाकुर (sureshthakur)

Posted: Saturday, March 21st, 2026

Categories: नौकर-नौकरानी

Online version: गर्मी की दोपहर में कमसिन कामवाली को चोदा

गर्मी की दोपहर में कमसिन कामवाली को चोदा

न्यूड गर्ल सेक्स स्टोरी में मेरे घर में 18 साल की जवान भरे बदन की लड़की काम करती थी. एक दिन बहुत गरमी थी तो उसने मुझसे नहाने के लिए पूछा. मैंने हाँ कर दी.

शोभा गाँव के एक गरीब परिवार से थी।
उसके माता-पिता पूरे दिन गाँव-गाँव जाकर सब्जियाँ बेचते थे।

शोभा हमारे घर में काम करती थी और खाना बनाने आदि में मेरी पत्नी की मदद करती थी।

शोभा लगभग 18 साल की थी, लेकिन अपने परिपक्व शरीर के कारण वह बड़ी दिखती थी, जो कि बहुत सेक्सी था।

वह साड़ी को पैरों में फंसाकर और पल्लू को पीछे दबाकर पहनती थी,
जिससे उसके कसे हुए नितंब प्रदर्शित होते थे।
उसके ब्लाउज में उसकी कसी हुई छातियाँ दिखाई दे रही थीं जो संतरों के आकार की थीं।

कुल मिलाकर वह बेहद आकर्षक थी।
उसके चेहरे पर गोल बड़ी आँखें और चूमने लायक भरे-भरे होंठ थे।

जब वह चलती थी, तो उसके नितंब एक लय में हिलते थे।

कभी-कभी जब उसकी साड़ी का अगला हिस्सा एक तरफ हट जाता था, तो मुझे उसकी कसी हुई योनि की रूपरेखा दिखाई दे जाती थी। शोभा कुंवारी थी।

न्यूड गर्ल सेक्स स्टोरी तब बनी जब एक बार मेरी पत्नी को एक महीने के लिए हैदराबाद जाना पड़ा, तो घर पर मैं और शोभा अकेले थे।

वह सुबह 7 बजे आ जाती थी और मेरे लिए चाय और नाश्ता बनाती थी। हम साथ में नाश्ता करते थे।

वह सुबह नहीं, केवल दोपहर में खाती थी.

लेकिन मैंने उससे कहा कि वह दिन में तीन बार मेरे साथ ही खाना खाएगी।

वह बहुत खुश थी और मेरे साथ खाना खाने लगी।

एक गर्मी के दिन, काम करने के बाद शोभा को बहुत पसीना आ रहा था। सने मुझसे पूछा कि क्या वह हमारे घर में नहा सकती है ? गाँव का घर होने के कारण हमारे पास नियमित बाथरूम नहीं था ; आधी दीवार वाला एक खुला हिस्सा ही बाथरूम के रूप में काम करता था।

मैंने उसे नहाने के लिए हाँ कहा।

तो उसने कहा, “आप प्लीज इस तरफ मत आना !”

मैंने जवाब दिया, “मैं नहीं आऊंगा !”

फिर वह बाथरूम में चली गई और अपने सारे कपड़े उतारकर नंगी होकर नहाने लगी।

मैं हॉल में बैठा था, तभी अचानक मेरे कानों में शोर हुआ और शोभा के रोने की आवाज आई।

मैंने उससे पूछा कि क्या हुआ ?

उसने कहा, “मैं फिसल कर गिर गई हूँ!”

मैंने पूछा, “क्या तुम ठीक हो ?”

उसने रोते हुए कहा, “मैं उठ नहीं पा रही हूँ!”

मैंने उससे कहा, “फिर तुम कैसे उठोगी ? क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारी मदद करूँ ?”

उसने घबराकर कहा, “नहीं ! मैं पूरी तरह से नंगी हूँ, आप यहाँ नहीं आ सकते !”

मैंने फिर कहा, “उठने की कोशिश करो !”

कुछ देर बाद उसने लाचार होकर कहा, “मैं नहीं उठ पा रही हूँ !”

तब मैंने कहा, “मैं आऊंगा, लेकिन अपनी आँखें बंद कर लूँगा ताकि मैं तुम्हारा नंगा शरीर न देख सकूँ और तुम्हें उठा लूँ।”

वह कुछ मिनट तक चुप रही और फिर बोली, “ठीक है, लेकिन मेरी तरफ मत देखना !”

मैंने कहा, “ठीक है !”

मैं बाथरूम में चला गया।

शोभा फर्श पर पैर मोड़कर लेटी हुई थी।

मैंने कहा, “ठीक है, मैं तुम्हें धीरे-धीरे उठाऊंगा।”

फिर मैंने अपने हाथ उसकी चिकनी बगलों के नीचे रखे और उसे ऊपर उठाया।

उसकी छातियाँ बहुत टाइट थीं और उसके निपल्स चने के आकार के थे, जिनके चारों ओर हल्के भूरे रंग के घेरे थे।

उसकी योनि छोटी थी और उस पर कोई बाल नहीं थे।

मैंने उसे अपनी बाहों में उठा लिया—एक हाथ उसकी पीठ पर और एक हाथ उसके घुटनों के नीचे— और उसे शयनकक्ष में ले जाकर बिस्तर पर लिटा दिया।

नहाने के कारण वह पूरी गीली थी।

मैंने तौलिए से उसका शरीर सुखाना शुरू किया।

उसने मना किया, “मत करो!”

मैंने कहा, “अगर मैं तुम्हें नहीं सुखाऊंगा, तो तुम्हें सर्दी और बुखार हो जाएगा!”

मैंने उसके चिकने पेट, जांघों और टांगों पर तौलिया रगड़ना शुरू कर दिया।

धीरे-धीरे मैंने उसकी योनि को सहलाना शुरू किया।

उसने पहले मेरा हाथ हटाया लेकिन मैंने फिर से सहलाना शुरू कर दिया।

कुछ मिनटों के बाद उसने विरोध करना बंद कर दिया और धीरे-धीरे अपनी जांघें फैला दीं।

उसने शर्म से अपना चेहरा हाथों से ढक लिया।

मैं उसे सहलाता रहा ।

पाँच मिनट बाद वह कांपने लगी, अपने कूल्हों को ऊपर उठाने लगी और अपनी जांघें हिलाने लगी ।

मुझे पता था कि वह चरम सुख (climax) के करीब है ।

मैंने तौलिया हटा दिया और अपनी उंगली उसकी योनि पर रख दी ।
उसने अपना रस छोड़ना शुरू कर दिया, जो मेरे हाथ और उसकी जांघों को गीला करता हुआ बाहर निकल रहा था ।

दो मिनट बाद वह रुकी और सिसकते हुए बोली, “आपने यह क्या किया ? यह गलत है !”

मैंने उसे समझाया, “कुछ भी गलत नहीं है । तुम गिर गई थीं, मैं तुम्हें यहाँ लाया और तुम्हारा शरीर सुखा दिया । अब यदि तुम उठ सकती हो तो अपने कपड़े पहन लो । लेकिन वे गंदे हैं, इसलिए मैं तुम्हें कुछ कपड़े देता हूँ । मैं तुम्हारे कपड़े धोकर धूप में सुखा दूँगा, वे जल्दी सूख जाएंगे ।”

वह तैयार हो गई ।

मैंने उसे एक लुंगी और कुर्ता दिया ।

वे कपड़े उसके लिए बड़े थे लेकिन वह उनमें भी बहुत सेक्सी लग रही थी ।

मैंने उसे अचानक चूम लिया ।

उसने फिर से अपना चेहरा ढक लिया ।

मैंने उसके हाथ हटाए ।

उसने कहा, “आपने मुझे नंगी देखा, अब मैं आपसे नजरें कैसे मिला सकती हूँ!”

मैंने कहा, “शोभा, तुम बहुत सुंदर हो, मैं तुमसे प्यार करता हूँ। अगर तुम्हें लगता है कि मैंने तुम्हें नंगी देखा है, तो मैं भी नंगा हो जाता हूँ। तुम मुझे देख लेना, फिर हम दोनों बराबर हो जाएंगे!”

वह शरमा गई और आँखें बंद करके मुझे खुद को ढकने के लिए कहा। लेकिन वह अपनी उंगलियों के बीच से मेरे सख्त लिंग को झाँक रही थी।

फिर उसने धीरे से पूछा, “आपका यह कितना बड़ा है? मैंने इतना बड़ा कभी नहीं देखा!”

मैंने उससे उसे छूने को कहा।

उसने मना किया।

तो मैंने उसका हाथ पकड़कर अपने लिंग पर रख दिया।

पहली बार में उसने हाथ हटा लिया, लेकिन दूसरी बार में उसने उसे पकड़ लिया।

वह धीरे-धीरे मेरे पास आई और उसके साथ खेलने लगी।

उसकी लुंगी खुल गई थी और वह नीचे से पूरी नग्न थी।

जैसे ही मैंने उसकी साफ योनि को छुआ, वह स्पर्श से कांप गई और जांघें कस लीं।

उसके होंठ कांप रहे थे।

मैंने धीरे से उसकी योनि के होंठों को रगड़ना शुरू किया।
पाँच मिनट बाद उसने जांघें खोल दीं।

मैं उसकी जांघों के बीच बैठ गया और उसकी योनि को चूमने लगा।
शोभा ने खुशी में एक हल्की चीख निकाली और मेरे सिर को सहलाते हुए
कहा, “मत करो!”

पर मैंने अपनी जीभ से उसे तब तक चाटा जब तक वह पूरी गीली नहीं
हो गई।

वह कांपने लगी और अचानक आगे की ओर झुककर मेरे सिर को जोर से
अपनी योनि पर दबा लिया।

वह झटके लेने लगी और मेरे मुंह में ही अपना रस छोड़ने लगी।

करीब 3 मिनट तक वह रस छोड़ती रही और फिर निढाल होकर बिस्तर
पर गिर पड़ी।

मैंने उसे पीठ के बल लेटाया और अपने लिंग को उसकी जांघों के बीच
रगड़ना शुरू किया।

मेरा निचला पेट उसकी योनि से रगड़ खा रहा था।

कुछ मिनटों बाद जब मैं स्वलित होने वाला था, तो मैं उसके ऊपर लेट
गया।

मैंने उसे कसकर चूमा और अपना वीर्य उसकी जांघों पर छोड़ दिया।

शोभा की जांघें हमारे रस से भीग गई थीं।

वह उठी, खुद को साफ किया, कपड़े पहने और मुझे एक जोरदार चुम्बन

देते हुए कहा, “अगली बार तुम मेरी योनि के अंदर डालना !”

और वह मुस्कराती हुई चली गई।

अगले दिन जब शोभा सुबह घर आई, तो उसके चेहरे पर एक अलग ही चमक थी।

वह अब पहले जैसी झिझक नहीं दिखा रही थी।

जैसे ही उसने रसोई में कदम रखा, मैंने पीछे से जाकर उसे अपनी बांहों में भर लिया।

वह शरमाई लेकिन उसने मुझे रोका नहीं।

उसने धीरे से कहा, “आज फिर से वही सब करोगे क्या ?”

मैंने उसके कान के पास फुसफुसाते हुए कहा, “आज तो उससे भी ज्यादा कुछ होगा।”

उसने सर झुका लिया।

दोपहर का समय था, बाहर लू चल रही थी और घर के अंदर सन्नाटा था।

मेरी पत्नी का फोन आया था कि वह अगले दो हफ्ते और नहीं आएगी।

यह सुनकर शोभा के चेहरे पर शरारत भरी मुस्कान आ गई।

उसने अपनी साड़ी का पल्लू थोड़ा ढीला किया और मेरे करीब आकर बैठ गई।

मैंने उसे अपनी गोद में बिठा लिया और उसकी लुभावनी आँखों में देखते हुए कहा, “शोभा, कल तुमने जो कहा था, क्या तुम्हें याद है ?”

वह लजा गई और बोली, “मुझे डर लग रहा है, पर मैं चाहती हूँ कि आप मुझे अपना बना लें!”

मैंने धीरे-धीरे उसकी साड़ी की गांठें खोलीं।

वह एक-एक कर फर्श पर गिरती गई।

जब वह पूरी तरह निर्वस्त्र हो गई, तो दोपहर की सुनहरी रोशनी उसके बदन पर पड़ रही थी, जिससे उसका गेहुआं रंग और भी निखर उठा था। उसकी कसी हुई छातियाँ और पतली कमर देखकर मेरा धैर्य जवाब दे रहा था।

मैंने उसे बिस्तर पर लेटाया और उसके पूरे शरीर को चूमना शुरू किया।

जब मेरी जीभ उसकी नाभि से नीचे उसकी योनि की ओर बढ़ी, तो वह सिसकने लगी।

उसने सिसकते हुए कहा, “आह... आप बहुत अच्छा महसूस करा रहे हैं!”

मैंने उसकी जांघों को फैलाया और एक बार फिर उसकी योनि को अपनी जीभ से सहलाया।

वह उत्तेजना में अपने हाथ बिस्तर की चादर पर कस रही थी।

जब वह पूरी तरह से गीली और तैयार हो गई, मैं कुंवारी योनि भेदन के लिए आतुर था तो मैंने अपना सख्त लिंग उसकी योनि के द्वार पर रखा।

उसने घबराकर मेरा कंधा पकड़ लिया और कहा, “धीरे से... पहली बार है!”

मैंने उसे चूमते हुए धीरे से धक्का दिया।
उसकी बुर बहुत तंग थी।

जैसे ही मेरा लंड आधा अंदर गया, उसने एक तीखी चीख निकाली और
उसकी आँखों में आँसू आ गए।
मैंने उसे शांत करने के लिए उसके होंठों को चूम लिया और कुछ देर के
लिए रुक गया।

कुछ मिनटों बाद जब उसका दर्द कम हुआ और उसे आनंद महसूस होने
लगा, तो उसने धीरे से अपने कूल्हे हिलाने शुरू किए और कहा, “अब...
अब आप कर सकते हैं!”

मैंने अपनी गति बढ़ाई।
कमरे में हमारे शरीरों के टकराने की आवाज गूंजने लगी।

शोभा अब दर्द भूल चुकी थी और मजे में चिल्ला रही थी।
उसकी जांघें मेरे कमर के चारों ओर कसी हुई थीं।

उसने चिल्लाते हुए कहा, “और जोर से! मुझे और अंदर तक चाहिए!”

करीब पंद्रह मिनट के उस जोशीले खेल के बाद, हम दोनों ही चरम पर थे।
मैंने एक आखिरी गहरा धक्का दिया और अपना सारा वीर्य उसकी गहराई
में छोड़ दिया।

शोभा ने मुझे कसकर जकड़ लिया और जोर-जोर से सांसें लेने लगी।
हम दोनों पसीने में लथपथ एक-दूसरे की बाहों में सो गए।

शाम को जब वह जाने लगी, तो उसने पलटकर मुझे देखा और मुस्कुराते हुए कहा, “अब मैं पूरी तरह आपकी हूँ।”

न्यूड गर्ल सेक्स स्टोरी कैसी लगी ?

sureshthakur2@gmail.com

Other stories you may be interested in

सेक्सी चाची की चूत चोदकर मजा लिया

देसी चाची सेक्स कहानी में मैं चाची के घर खाना खाता था तो उनसे लगाव हो गया था. एक दिन उनको चोट लग गयी तो मैंने चाची की सेवा की. बदले में चाची ने मुझे चूत दी. मेरा नाम संजय [...]

[Full Story >>>](#)

कोरोनाकाल में सगे भाई को सैट करके चुत चुदवाई

पोर्न सिस्टर फक स्टोरी में मुझे शुरू से ही चुदाई की लत लग गयी थी. लॉकडाउन में मुझे लंड नहीं मिल रहा था. मेरा छोटा भाई भी जवान था. उसका लंड मैंने देखा था. यह कहानी सुनें. दोस्तो, मेरा नाम [...]

[Full Story >>>](#)

गाँव की लड़की आयशा की दूसरी चुदाई

हॉट गर्ल देसी कहानी में मैं गाँव में एक जवान लड़की को चोद चुका है. एक दिन उसने मुझे कुछ पैसे मांगे तो मैंने उसे शाम को घर बुलाया और जम कर चोदा. मेरे प्यारे पाठको, आपने मेरी पिछली कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

फ्लैट ओनर पुलिस वाली ऑफिसर की चुदाई

पोलिस ऑफिसर सेक्स कहानी में मैंने एक पुलिस वाली का फ्लैट किराए पर लिया. एक सुबह वह फ्लैट पर आई. मैंने सिर्फ चड्डी में दरवाजा खोल दिया. वो मेरा लंड देखने लगी. दोस्तो, मैं अजय आपको अपने फ्लैट की ओनर [...]

[Full Story >>>](#)

गाँव की लड़की आयशा चुद गयी मुझसे

Xxx गाँव सेक्स कहानी में मैं एक गाँव में बैंक मेनेजर बन कर गया. वहाँ एक लड़की पर मेरी नजर पड़ी. उसने भी मुझे देखकर सेक्सी मुस्कान दी। मैंने उसे घर आने को कहा. यह कहानी उस समय की है [...]

[Full Story >>>](#)

